मानव बस्तियाँ

इस अध्याय के सभी महत्वपूर्ण प्रश्न – उत्तर सहित। पहले खुद हल करने की कोशिश करो, फिर उत्तर मिलाओ।

अभ्यास प्रश्न-उत्तर (हर टॉपिक से)

» मानव बस्ती: परिभाषा और मूल बातें

प्रश्न 1 (आसान). एक 'मानव बस्ती' किसे कहते हैं?
उत्तर – एक मानव बस्ती घरों का एक समूह है जहाँ मनुष्य रहते हैं।

प्रश्न 2 (आसान). मानव बस्तियाँ आकार में कैसी हो सकती हैं?
उत्तर – मानव बस्तियाँ आकार में छोटी झोपड़ियों के समूह से लेकर बड़े महानगरों तक हो सकती हैं।

प्रश्न 3 (मध्यम). मानव बस्तियाँ क्यों बनाई जाती हैं? कोई एक मुख्य कारण बताओ।
उत्तर – मानव बस्तियाँ मुख्यतः सुरक्षा, आराम और आर्थिक गतिविधियों के लिए बनाई जाती हैं।

प्रश्न 4 (कठिन). ग्रामीण बस्तियाँ नगरीय बस्तियों से किस प्रकार भिन्न होती हैं? मुख्य अंतर बताओ।
उत्तर – ग्रामीण बस्तियाँ मुख्य रूप से कृषि या अन्य प्राथमिक आर्थिक क्रियाओं पर निर्भर करती हैं, जबकि नगरीय बस्तियाँ द्वितीयक और तृतीयक क्रियाओं (उद्योग, सेवाएँ) पर केंद्रित होती हैं।

» ग्रामीण और नगरीय बस्तियों में अंतर

प्रश्न 5 (आसान). वह बस्ती जहाँ लोग मुख्य रूप से कारखानों में काम करते हैं, उसे क्या कहते हैं?
उत्तर – नगरीय बस्ती

प्रश्न 6 (आसान). ग्रामीण बस्तियों में किस प्रकार के आर्थिक कार्य ज़्यादा होते हैं?
उत्तर – प्राथमिक कार्य (खेती, पशुपालन)

प्रश्न 7 (मध्यम). अगर एक बस्ती में सामाजिक संबंध बहुत औपचारिक हैं और लोग अपनी-अपनी ज़िंदगी में व्यस्त हैं, तो यह ग्रामीण होगी या नगरीय?
उत्तर – नगरीय बस्ती

प्रश्न 8 (कठिन). एक बस्ती में जनसंख्या घनत्व बहुत ज़्यादा है और लोग वस्तुओं के उत्पादन और सेवा देने में लगे हैं। यह बस्ती ग्रामीण है या नगरीय? विस्तार से समझाओ।
उत्तर – यह एक नगरीय बस्ती है। उच्च जनसंख्या घनत्व शहरों की पहचान है। साथ ही, वस्तुओं का उत्पादन (उद्योग) और सेवाएँ (दुकानें, ऑफ़िस) द्वितीयक और तृतीयक आर्थिक क्रियाएँ हैं, जो नगरीय बस्तियों की मुख्य विशेषताएँ हैं।

» ग्रामीण बस्तियों के प्रकार और उनके कारण

प्रश्न 9 (आसान). कौन सी बस्ती में घर बहुत दूर-दूर और अकेले-अकेले होते हैं?
उत्तर – परिक्षिप्त या एकाकी बस्ती।

प्रश्न 10 (आसान). उत्तर भारत के मैदानों में आमतौर पर किस प्रकार की बस्तियाँ मिलती हैं?
उत्तर – गुच्छित बस्तियाँ।

प्रश्न 11 (मध्यम). पल्लीकृत बस्ती क्या होती है? यह अर्ध-गुच्छित से कैसे अलग है?
उत्तर – पल्लीकृत बस्ती में एक बड़ा गाँव कई छोटी-छोटी इकाइयों (पल्ली/ढाणी) में बँट जाता है, जो अलग-अलग नामों से जानी जाती हैं, पर एक ही गाँव का हिस्सा होती हैं। जबकि अर्ध-गुच्छित में एक मुख्य बस्ती होती है और किसी कारण से एक छोटा समूह थोड़ा अलग होकर बस जाता है, लेकिन वे पूरी तरह से अलग इकाइयाँ नहीं होतीं।

प्रश्न 12 (कठिन). सुरक्षा संबंधी कारक ग्रामीण बस्तियों के किस प्रकार के वितरण को सबसे अधिक प्रभावित करता है और क्यों?
उत्तर – सुरक्षा संबंधी कारक 'गुच्छित बस्तियों' के वितरण को सबसे अधिक प्रभावित करता है। पुराने समय में, बाहरी हमलों या चोर-डाकुओं से बचने के लिए लोग एक साथ, पास-पास घर बनाकर रहते थे ताकि वे मिलकर अपनी और अपने पशुओं की रक्षा कर सकें। इससे एकता और सामूहिक सुरक्षा की भावना बनी रहती थी।

» गुच्छित बस्तियाँ

प्रश्न 13 (आसान). गुच्छित बस्तियों में घर कैसे बने होते हैं?
उत्तर – घर एक-दूसरे के पास-पास, एक सघन क्षेत्र में बने होते हैं।

प्रश्न 14 (आसान). गुच्छित बस्तियाँ किस कारण बनती हैं?
उत्तर – मुख्यतः सुरक्षा या रक्षा कारणों से।

प्रश्न 15 (मध्यम). भारत के किन दो क्षेत्रों में गुच्छित बस्तियाँ ज़्यादा पाई जाती हैं?
उत्तर – उपजाऊ जलोढ़ मैदानों और उत्तर-पूर्वी राज्यों में।

प्रश्न 16 (कठिन). गुच्छित बस्तियों में घरों और खेतों के बीच संबंध कैसा होता है? समझाओ।
उत्तर – गुच्छित बस्तियों में घर एक संहत (कॉम्पैक्ट) क्षेत्र में होते हैं जो गाँव का मुख्य रिहायशी इलाका होता है। इसके चारों ओर दूर-दूर तक खेत, खलिहान और चरागाह फैले होते हैं, यानी घरों और कृषि भूमि के बीच एक स्पष्ट अलगाव होता है।

» अर्ध-गुच्छित बस्तियाँ

प्रश्न 17 (आसान). क्या अर्ध-गुच्छित बस्ती एक ही गाँव का हिस्सा होती है या अलग-अलग गाँवों का?
उत्तर – एक ही गाँव का हिस्सा।

प्रश्न 18 (आसान). अर्ध-गुच्छित बस्तियों में लोग मुख्य गाँव से क्यों अलग होते हैं?
उत्तर – सामाजिक या आर्थिक कारणों से।

प्रश्न 19 (मध्यम). यदि किसी गाँव में मंदिर के आसपास ज़्यादातर ब्राह्मणों के घर हों और गाँव के दूसरे छोर पर धोबियों के घर हों, तो यह किस प्रकार की बस्ती है?
उत्तर – अर्ध-गुच्छित बस्ती।

प्रश्न 20 (कठिन). गुच्छित और अर्ध-गुच्छित बस्तियों में मुख्य अंतर क्या है? एक उदाहरण से समझाइए।
उत्तर – गुच्छित बस्ती में सारे घर एकदम सटे हुए, एक ही जगह पर होते हैं। जैसे मैदानों में सुरक्षा के लिए सारे घर पास-पास हों। अर्ध-गुच्छित में गाँव एक ही रहता है, पर उसके अंदर ही कुछ वर्ग मुख्य बस्ती से थोड़ी दूर, अलग समूह में रहते हैं। जैसे राजस्थान में जमींदारों की बस्ती एक तरफ और खेत मज़दूरों की बस्ती थोड़ी अलग।

» पल्ली बस्तियाँ

प्रश्न 21 (आसान). अगर एक गाँव 'सुखपुर' के घरों को अलग-अलग 'ढाणियों' में बाँटा गया है, तो यह कौन सी बस्ती है?
उत्तर – पल्ली बस्ती

प्रश्न 22 (आसान). पल्ली बस्तियों को स्थानीय भाषा में क्या-क्या कहते हैं?
उत्तर – पाना, पाड़ा, पाली, नगला, ढाँणी

प्रश्न 23 (मध्यम). पल्ली बस्तियाँ किन कारकों की वजह से बनती हैं?
उत्तर – सामाजिक और मानवजातीय कारकों से

प्रश्न 24 (कठिन). भारत के किन क्षेत्रों में पल्ली बस्तियाँ बहुतायत में पाई जाती हैं?
उत्तर – मध्य और निम्न गंगा के मैदान, छत्तीसगढ़ और हिमालय की निचली घाटियाँ

» परिक्षिप्त बस्तियाँ

प्रश्न 25 (आसान). परिक्षिप्त बस्ती को और किस नाम से जाना जाता है?
उत्तर – एकाकी बस्ती

प्रश्न 26 (आसान). क्या परिक्षिप्त बस्तियों में घर एक-दूसरे के पास होते हैं?
उत्तर – नहीं, घर दूर-दूर बिखरे होते हैं।

प्रश्न 27 (मध्यम). पहाड़ी ढलानों पर परिक्षिप्त बस्तियाँ क्यों पाई जाती हैं?
उत्तर – पहाड़ी भू-भाग समतल नहीं होता, और हर व्यक्ति अपनी सुविधानुसार खेत या संसाधनों के पास घर बनाता है, जिससे घर दूर-दूर हो जाते हैं।

प्रश्न 28 (कठिन). मेघालय और उत्तराखंड में परिक्षिप्त बस्तियों की उपस्थिति का मुख्य कारण क्या है?
उत्तर – इन क्षेत्रों का पहाड़ी और उबड़-खाबड़ भू-भाग, और भूमि संसाधनों का अत्यधिक विखंडित स्वभाव, जिससे लोग अपनी ज़मीन या सुविधा के पास दूर-दूर घर बनाते हैं।

» नगरीय बस्तियाँ: विशेषताएं और परिभाषा

प्रश्न 29 (आसान). नगरीय बस्तियाँ आम तौर पर किस तरह की आर्थिक गतिविधियों में लगी होती हैं?
उत्तर – गैर-कृषि आर्थिक गतिविधियाँ जैसे उद्योग, व्यापार और सेवाएँ।

प्रश्न 30 (आसान). क्या सिर्फ़ ज़्यादा जनसंख्या होने से कोई बस्ती नगरीय बन जाती है?
उत्तर – नहीं, सिर्फ़ ज़्यादा जनसंख्या ही काफ़ी नहीं है। अन्य शर्तें भी पूरी होनी चाहिए।

प्रश्न 31 (मध्यम). 1991 की जनगणना के अनुसार, किसी स्थान को नगरीय बस्ती कहने के लिए कम से कम कितने पुरुष श्रमिक गैर-कृषि कार्यों में संलग्न होने चाहिए?
उत्तर – कम से कम 75% पुरुष श्रमिक गैर-कृषि कार्यों में संलग्न होने चाहिए।

प्रश्न 32 (कठिन). एक गाँव में 7000 लोग रहते हैं, एक नगरपालिका भी है, 80% पुरुष श्रमिक गैर-कृषि कामों में हैं, लेकिन जनसंख्या घनत्व 350 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी. है। क्या यह नगरीय बस्ती है? क्यों?
उत्तर – नहीं, यह नगरीय बस्ती नहीं है। क्योंकि भले ही जनसंख्या 5000 से ज़्यादा है, नगरपालिका है और गैर-कृषि श्रमिक 75% से ज़्यादा हैं, लेकिन जनसंख्या घनत्व 400 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी. से कम (350) है।

» भारत में नगरों का ऐतिहासिक विकास

प्रश्न 33 (आसान). दिल्ली, आगरा, और जयपुर किस प्रकार के नगरों के उदाहरण हैं?
उत्तर – मध्यकालीन नगर

प्रश्न 34 (आसान). कौन से नगर धार्मिक या सांस्कृतिक केंद्रों के रूप में विकसित हुए थे?
उत्तर – प्राचीन नगर

प्रश्न 35 (मध्यम). मुंबई, चेन्नई और कोलकाता जैसे शहर किस काल में और किसने विकसित किए थे?
उत्तर – ये शहर आधुनिक काल में अंग्रेजों और अन्य यूरोपियों ने विकसित किए थे।

प्रश्न 36 (कठिन). प्राचीन, मध्यकालीन और आधुनिक नगरों के बीच विकास के मुख्य अंतर क्या थे?
उत्तर – प्राचीन नगर धार्मिक/सांस्कृतिक केंद्र थे, मध्यकालीन नगर रजवाड़ों के मुख्यालय और किला नगर थे, जबकि आधुनिक नगर व्यापारिक पत्तन और प्रशासनिक/सैन्य केंद्रों के रूप में अंग्रेजों द्वारा बनाए गए थे।

» भारत में नगरीकरण की प्रवृत्तियाँ

प्रश्न 37 (आसान). नगरीकरण का स्तर मापने का तरीका क्या है?
उत्तर – कुल जनसंख्या में नगरीय जनसंख्या का प्रतिशत।

प्रश्न 38 (आसान). 2011 की जनगणना के अनुसार, भारत में नगरीकरण का स्तर लगभग कितना था?
उत्तर – 31.16 प्रतिशत।

प्रश्न 39 (मध्यम). क्या भारत में नगरीकरण का स्तर विकसित देशों के मुकाबले कम है या ज्यादा?
उत्तर – कम है।

प्रश्न 40 (कठिन). अगर किसी शहर की जनसंख्या 50,000 है और पूरे जिले की जनसंख्या 2 लाख है, तो उस जिले में नगरीकरण का स्तर कितना होगा?
उत्तर – 25 प्रतिशत।

» नगरों का प्रकार्यात्मक वर्गीकरण

प्रश्न 41 (आसान). जयपुर किस प्रकार का नगर है?
उत्तर – प्रशासनिक और पर्यटन नगर

प्रश्न 42 (आसान). जमशेदपुर किस प्रकार का नगर है?
उत्तर – औद्योगिक नगर

प्रश्न 43 (मध्यम). चंडीगढ़ को प्रशासनिक नगर क्यों कहा जाता है?
उत्तर – क्योंकि यह दो राज्यों (पंजाब और हरियाणा) की राजधानी और केंद्र शासित प्रदेश होने के कारण उच्च स्तरीय प्रशासनिक मुख्यालय है।

प्रश्न 44 (कठिन). क्या एक शहर का प्रकार्य समय के साथ बदल सकता है? उदाहरण दो।
उत्तर – हाँ, बदल सकता है। जैसे जमशेदपुर पहले एक छोटा सा गाँव था, फिर टाटा स्टील प्लांट लगने के बाद वह एक बड़ा औद्योगिक नगर बन गया। इसी तरह, कुछ पुराने धार्मिक नगर अब पर्यटन के लिए भी बहुत महत्वपूर्ण हो गए हैं।

» स्मार्ट सिटी मिशन

प्रश्न 45 (आसान). स्मार्ट सिटी मिशन का मुख्य उद्देश्य क्या है?
उत्तर – नागरिकों को बेहतर जीवन, स्वच्छ पर्यावरण और आधारभूत सुविधाएँ प्रदान करना।

प्रश्न 46 (आसान). स्मार्ट सिटी में किस चीज़ पर ज़्यादा जोर दिया जाता है?
उत्तर – स्मार्ट समाधानों (जैसे टेक्नोलॉजी का उपयोग) पर।

प्रश्न 47 (मध्यम). आप अपने गाँव/शहर में एक 'स्मार्ट' बदलाव क्या लाना चाहेंगी/चाहेंगे और क्यों?
उत्तर – शहर में सार्वजनिक पार्कों को 'स्मार्ट' बनाना, जहाँ वाई-फाई, चार्जिंग पॉइंट और सुरक्षा के लिए सीसीटीवी हों, ताकि लोग सुरक्षित और आधुनिक सुविधाओं का लाभ उठा सकें।

प्रश्न 48 (कठिन). स्मार्ट सिटी मिशन 'सतत और समग्र विकास' पर क्यों ध्यान केंद्रित करता है? उदाहरण सहित समझाइए।
उत्तर – यह सतत (Sustainable) विकास पर इसलिए ध्यान देता है ताकि आज की ज़रूरतों को पूरा करते हुए भविष्य की पीढ़ियों के लिए भी संसाधन बचाए जा सकें (जैसे सौर ऊर्जा का उपयोग)। समग्र (Inclusive) विकास का मतलब है कि विकास सबका हो, सिर्फ़ कुछ लोगों का नहीं, बल्कि गरीबों और वंचितों को भी अच्छी सुविधाएँ मिलें। जैसे, सिर्फ़ अमीरों के लिए ही नहीं, बल्कि हर वर्ग के लिए सस्ती और अच्छी परिवहन सुविधाएँ हों।

हल किए हुए उदाहरण (step-by-step)

उदाहरण 1. मानव बस्तियों के निर्माण के किन्हीं दो मुख्य कारणों की पहचान कीजिए।

› पहला कारण: हमें अपने परिवार के साथ रहने और सुरक्षित महसूस करने के लिए एक जगह की ज़रूरत होती है।

› दूसरा कारण: हमें अपने रोज़गार, जैसे खेती, दुकानदारी या ऑफिस के काम के पास रहने की ज़रूरत होती है ताकि हम अपनी आजीविका चला सकें।

› तो, सुरक्षा और आर्थिक पोषण आधार ये दो मुख्य कारण हैं।

उत्तर – मानव बस्तियों के निर्माण के दो मुख्य कारण हैं: सुरक्षा (निवास और आराम) और आर्थिक पोषण-आधार (आजीविका के लिए)।

उदाहरण 2. एक बस्ती है जहाँ ज़्यादातर लोग खेतों में काम करते हैं और शाम को चौपाल पर बैठकर बातें करते हैं। वहाँ सब एक-दूसरे को जानते हैं। यह कौन सी बस्ती है और इसकी दो विशेषताएँ बताओ।

› पहला कदम: हमें यह देखना है कि बस्ती के लोग क्या काम कर रहे हैं। यहाँ, लोग 'खेतों में काम करते हैं' – यह प्राथमिक क्रिया है।

› दूसरा कदम: हमें उनके सामाजिक संबंधों को देखना है। यहाँ, 'सब एक-दूसरे को जानते हैं' और 'चौपाल पर बैठकर बातें करते हैं' – यह घनिष्ठ सामाजिक संबंध दिखाता है।

› तीसरा कदम: इन विशेषताओं के आधार पर हम तय करते हैं कि यह ग्रामीण बस्ती है।

› चौथा कदम: इसकी दो विशेषताएँ हैं: (1) लोग मुख्य रूप से प्राथमिक आर्थिक क्रियाओं (जैसे खेती) में लगे हैं। (2) उनके सामाजिक संबंध घनिष्ठ और व्यक्तिगत होते हैं।

उत्तर – यह एक ग्रामीण बस्ती है। इसकी दो मुख्य विशेषताएँ हैं: यहाँ के लोग प्राथमिक आर्थिक क्रियाओं (खेती) पर निर्भर हैं, और यहाँ सामाजिक संबंध घनिष्ठ होते हैं।

उदाहरण 3. प्रश्न: यदि किसी गाँव में घर बहुत पास-पास बने हों, और पूरा गाँव एक साथ इकट्ठा दिख रहा हो, तो यह किस प्रकार की ग्रामीण बस्ती का उदाहरण होगा? इसके पीछे दो संभावित कारण बताइए।

› पहचानें कि घरों की बनावट कैसी है: प्रश्न में कहा गया है कि घर 'बहुत पास-पास' और 'इकट्ठा' दिख रहे हैं।

› प्रकार की पहचान करें: घरों के इस तरह पास-पास होने को 'गुच्छित बस्ती' कहते हैं।

› संभावित कारण सोचें: ऐसे स्थान पर अक्सर उपजाऊ ज़मीन और पानी की उपलब्धता होती है। दूसरा कारण सुरक्षा हो सकता है, जहाँ लोग चोर-डाकुओं से बचने के लिए एक साथ रहते थे।

› उत्तर लिखें: यह गुच्छित बस्ती का उदाहरण है। इसके कारण हो सकते हैं - उपजाऊ भूमि और जल की उपलब्धता, तथा सुरक्षा की भावना।

उत्तर – यह गुच्छित बस्ती (Clustered Settlement) का उदाहरण है। इसके दो संभावित कारण हैं: 1. उपजाऊ भूमि और जल की उपलब्धता, 2. सुरक्षा संबंधी आवश्यकताएँ।

उदाहरण 4. गुच्छित बस्तियों की दो मुख्य विशेषताएँ और वे किन क्षेत्रों में पाई जाती हैं, बताओ।

› पहचानो कि 'गुच्छित' का क्या अर्थ है: इसका मतलब है कि घर एक साथ सटे हुए होते हैं।

› सोचो कि घर इतने पास-पास क्यों होते हैं: सुरक्षा इसका एक बड़ा कारण है।

› याद करो कि ये बस्तियाँ कहाँ मिलती हैं: उपजाऊ मैदान और उत्तर-पूर्वी राज्य।

› पहली विशेषता: घर एक सघन और कॉम्पैक्ट क्षेत्र में होते हैं।

› दूसरी विशेषता: ये बस्तियाँ सुरक्षा कारणों से बनती हैं।

› क्षेत्र: उपजाऊ जलोढ़ मैदानों और उत्तर-पूर्वी राज्यों में पाई जाती हैं।

उत्तर – गुच्छित बस्तियों की दो मुख्य विशेषताएँ हैं: 1. घर एक सघन क्षेत्र में पास-पास बने होते हैं, और यह क्षेत्र चारों ओर फैले खेतों से अलग होता है। 2. ये बस्तियाँ अक्सर सुरक्षा कारणों से बनाई जाती हैं। ये मुख्यतः उपजाऊ जलोढ़ मैदानों और उत्तर-पूर्वी राज्यों में पाई जाती हैं।

उदाहरण 5. राजस्थान के एक गाँव 'रामपुर' में, मुख्य बस्ती से लगभग 500 मीटर की दूरी पर, एक निचली जाति के लोगों का मोहल्ला बन गया है। गाँव में मुख्य बस्ती को 'मुख्य रामपुर' और इस नए मोहल्ले को 'निचला रामपुर' कहा जाता है। यह किस प्रकार की बस्ती का उदाहरण है?

› पहला कदम: हमें देखना है कि क्या यह एक ही गाँव है या अलग-अलग गाँव हैं। यहाँ गाँव एक ही है, 'रामपुर'।

› दूसरा कदम: क्या लोग एक साथ गुच्छे में रहते हैं या अलग-अलग समूहों में? यहाँ मुख्य बस्ती से कुछ लोग थोड़ी दूरी पर, एक अलग मोहल्ले में रहते हैं।

› तीसरा कदम: क्या यह विभाजन सामाजिक या आर्थिक कारणों से हुआ है? हाँ, यहाँ निचली जाति के लोगों का मोहल्ला अलग बना है, जो सामाजिक कारण दर्शाता है।

› चौथा कदम: यह 'अर्ध-गुच्छित बस्ती' की परिभाषा से मेल खाता है, जहाँ एक ही बड़े गाँव का विभाजन होता है और कुछ वर्ग मुख्य गाँव से थोड़ी दूरी पर रहते हैं, अक्सर सामाजिक पदानुक्रम के कारण।

उत्तर – यह 'अर्ध-गुच्छित बस्ती' का एक स्पष्ट उदाहरण है।

उदाहरण 6. एक गाँव 'मोहनपुर' है। इसमें तीन छोटी-छोटी बस्तियाँ हैं जिनका नाम 'राम पाड़ा', 'श्याम पाना' और 'गोपाल ढाँणी' है। ये तीनों मोहनपुर के ही हिस्से हैं। बताओ मोहनपुर किस प्रकार की बस्ती का उदाहरण है?

› पहला कदम यह समझना है कि मोहनपुर नाम का गाँव एक है।

› दूसरा कदम यह देखना है कि 'राम पाड़ा', 'श्याम पाना' और 'गोपाल ढाँणी' नाम की तीन अलग-अलग इकाइयाँ हैं।

› क्योंकि एक ही गाँव अलग-अलग भौतिक इकाइयों में बँटा हुआ है लेकिन नाम एक ही है, तो यह 'पल्ली बस्ती' की परिभाषा में आता है।

उत्तर – मोहनपुर एक 'पल्ली बस्ती' का उदाहरण है।

उदाहरण 7. मेघालय में कुछ घर एक-दूसरे से कई किलोमीटर दूर स्थित हैं, और हर घर अपनी खेती की ज़मीन के पास बना है। यह किस प्रकार की बस्ती का उदाहरण है?

› पहचानो कि क्या घर पास-पास हैं या दूर-दूर बिखरे हैं।

› यहाँ घर एक-दूसरे से कई किलोमीटर दूर हैं, यानी बिखरे हुए हैं।

› देखो कि घर क्यों दूर हैं – यहाँ खेती की ज़मीन के पास बने हैं।

› जब घर दूर-दूर बिखरे हों और भू-भाग के कारण ऐसा हो, तो वह परिक्षिप्त बस्ती कहलाती है।

उत्तर – यह परिक्षिप्त बस्ती (या एकाकी बस्ती) का उदाहरण है।

उदाहरण 8. एक बस्ती 'X' में 6000 लोग रहते हैं। इसमें 70% पुरुष श्रमिक खेती करते हैं, और जनसंख्या घनत्व 300 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी. है। क्या यह बस्ती नगरीय बस्ती कहलाएगी?

› सबसे पहले, जनसंख्या की शर्त देखें: बस्ती 'X' में 6000 लोग हैं, जो 5000 से ज़्यादा हैं। यह शर्त पूरी हुई।

› अब, गैर-कृषि श्रमिक की शर्त देखें: 70% पुरुष श्रमिक खेती करते हैं, तो गैर-कृषि काम में 100% - 70% = 30% पुरुष श्रमिक लगे हैं। लेकिन शर्त है 75% से ज़्यादा पुरुष श्रमिक गैर-कृषि में हों। यह शर्त पूरी नहीं हुई।

› आखिर में, जनसंख्या घनत्व देखें: 300 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी. है, लेकिन शर्त है 400 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी. या उससे ज़्यादा हो। यह शर्त भी पूरी नहीं हुई।

उत्तर – चूंकि बस्ती 'X' गैर-कृषि श्रमिक प्रतिशत और जनसंख्या घनत्व दोनों की शर्तें पूरी नहीं करती, इसलिए यह नगरीय बस्ती नहीं कहलाएगी, भले ही इसकी आबादी 5000 से ज़्यादा हो।

उदाहरण 9. प्रश्न: भारत के कुछ प्रमुख प्राचीन नगरों के नाम बताइए और उनकी मुख्य विशेषता क्या थी?

› स्टेप 1: सबसे पहले हम देखेंगे कि प्राचीन नगरों का मतलब क्या है। प्राचीन नगर वे हैं जो 2000 साल से भी ज़्यादा पुराने हैं।

› स्टेप 2: अब हम उदाहरण याद करेंगे। प्राचीन भारत में कौन से शहर महत्वपूर्ण थे? काशी (वाराणसी), प्रयागराज (इलाहाबाद), पाटलिपुत्र (पटना), मदुरई - ये सब बहुत पुराने शहर हैं।

› स्टेप 3: फिर उनकी विशेषता पर आते हैं। ये नगर ज़्यादातर क्यों बने थे? धार्मिक और सांस्कृतिक गतिविधियों के कारण। लोग पूजा-पाठ, त्योहारों और ज्ञान के लिए इन जगहों पर इकट्ठा होते थे।

› स्टेप 4: तो हमारा जवाब होगा: भारत के प्रमुख प्राचीन नगरों में वाराणसी, प्रयागराज और मदुरई शामिल हैं। इनकी

मुख्य विशेषता यह थी कि ये अधिकतर धार्मिक और सांस्कृतिक केंद्रों के रूप में विकसित हुए।

उत्तर – भारत के प्रमुख प्राचीन नगर वाराणसी, प्रयागराज और मदुरई हैं। इनकी मुख्य विशेषता यह थी कि ये अधिकतर धार्मिक और सांस्कृतिक केंद्रों के रूप में विकसित हुए।

उदाहरण 10. मान लीजिए एक देश की कुल जनसंख्या 10 लाख है और उसमें से 3 लाख लोग शहरों में रहते हैं। तो इस देश में नगरीकरण का स्तर क्या होगा?

› पहला कदम: हमें नगरीय जनसंख्या देखनी है, जो यहाँ 3 लाख है।

› दूसरा कदम: फिर हमें कुल जनसंख्या देखनी है, जो 10 लाख है।

› तीसरा कदम: नगरीकरण का स्तर निकालने के लिए, नगरीय जनसंख्या को कुल जनसंख्या से भाग देंगे और फिर 100 से गुणा करेंगे।

› यानी, (3,00,000 / 10,00,000) * 100

› यह आता है 0.3 * 100।

उत्तर – तो नगरीकरण का स्तर 30 प्रतिशत होगा।

उदाहरण 11. शहर बेंगलुरु को उसके मुख्य प्रकार्य के आधार पर किस वर्ग में रखा जाएगा?

› पहला कदम: हमें यह देखना होगा कि बेंगलुरु किस चीज़ के लिए सबसे ज़्यादा प्रसिद्ध है और वहाँ कौन सी गतिविधियाँ प्रमुखता से होती हैं।

› दूसरा कदम: बेंगलुरु को भारत की 'सिलिकॉन वैली' भी कहा जाता है, क्योंकि यहाँ सूचना प्रौद्योगिकी (IT) और सॉफ़्टवेयर उद्योग बहुत बड़े पैमाने पर है।

› तीसरा कदम: इसलिए, इसका मुख्य प्रकार्य 'औद्योगिक' और 'शैक्षिक' (तकनीकी शिक्षा) है, पर अगर एक चुनना हो तो 'औद्योगिक' प्रमुख होगा।

› चौथा कदम: लेकिन आजकल के संदर्भ में इसे एक 'उच्च-प्रौद्योगिकी औद्योगिक नगर' कहना ज़्यादा सही होगा, क्योंकि यहाँ IT उद्योग का दबदबा है।

उत्तर – बेंगलुरु को मुख्य रूप से 'औद्योगिक नगर' (खासकर सूचना प्रौद्योगिकी उद्योग) और 'शैक्षिक नगर' (तकनीकी शिक्षा के लिए) के रूप में वर्गीकृत किया जाएगा।

उदाहरण 12. मान लीजिए हमें अपने शहर को स्मार्ट सिटी बनाना है। हमें ऐसी तीन सुविधाएँ बतानी हैं जो लोगों की दैनिक ज़िंदगी को बेहतर बनाएंगी और स्मार्ट समाधान भी होंगी।

› पहला कदम: हमें ऐसी समस्याओं को पहचानना होगा जो लोगों को रोज़ परेशान करती हैं, जैसे कूड़े की समस्या या ट्रैफिक जाम।

› दूसरा कदम: अब इनके लिए 'स्मार्ट' समाधान सोचो।

› पहला समाधान: कूड़े के लिए 'स्मार्ट कूड़ादान' – ये कूड़ादान भरते ही नगरपालिका को खुद सूचना भेज देंगे, जिससे समय पर कूड़ा उठ जाए और शहर साफ़ रहे।

› दूसरा समाधान: ट्रैफिक जाम के लिए 'स्मार्ट ट्रैफिक लाइट सिस्टम' – ये लाइटें ट्रैफिक के घनत्व (कितनी गाड़ियाँ हैं) के हिसाब से अपना समय खुद एडजस्ट करेंगी, जिससे जाम कम लगे।

› तीसरा समाधान: सार्वजनिक परिवहन (जैसे बसें) को 'स्मार्ट' बनाना – एक ऐप के ज़रिए लोग बस की लाइव लोकेशन देख सकें और पता कर सकें कि बस स्टॉप पर कब आएगी, जिससे इंतज़ार कम करना पड़े।

उत्तर – स्मार्ट कूड़ादान, स्मार्ट ट्रैफिक लाइट सिस्टम और पब्लिक ट्रांसपोर्ट ट्रैकिंग ऐप।

बोर्ड परीक्षा के लिए ख़ास

• मानव बस्ती की परिभाषा और इसके निर्माण के पीछे के कारणों पर अक्सर सीधे प्रश्न पूछे जाते हैं। ग्रामीण और नगरीय बस्तियों के बीच के मुख्य अंतर को भी अच्छे से समझ लेना, यह परीक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

• यह विषय बोर्ड परीक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। अक्सर ग्रामीण बस्तियों के प्रकारों के नाम और उनके वितरण के कारणों पर सीधे प्रश्न पूछे जाते हैं। हर प्रकार का एक उदाहरण ज़रूर याद रखना।

• कक्षा 12 बोर्ड परीक्षा में 'गुच्छित बस्तियों' की परिभाषा, इनकी मुख्य विशेषताएँ और भारत में इनके पाए जाने वाले क्षेत्रों को उदाहरण सहित लिखने का प्रश्न अक्सर आता है। इसे अच्छे से तैयार कर लेना।

• पल्ली बस्तियों के स्थानीय नामों पर अक्सर बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQ) आते हैं, इन्हें याद रखना बहुत ज़रूरी है।

• परिक्षिप्त और पल्ली बस्तियों के बीच का अंतर उदाहरणों के साथ स्पष्ट करना बोर्ड परीक्षा में महत्वपूर्ण हो सकता है।

• यह विषय बोर्ड परीक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। अक्सर, विभिन्न प्रकार के नगरों के उदाहरण और उनकी विशेषताओं पर सीधे प्रश्न पूछे जाते हैं। हर प्रकार के दो-तीन उदाहरण ज़रूर याद रखना।

• नगरीकरण के स्तर और उसकी प्रवृत्तियों पर आधारित तालिका के सवालों को ध्यान से अभ्यास करें, क्योंकि ये बोर्ड परीक्षाओं में सीधे पूछे जा सकते हैं।

• यह टॉपिक बोर्ड परीक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। अक्सर सीधे-सीधे प्रश्न आते हैं कि 'प्रमुख प्रकार्यात्मक नगरों का वर्गीकरण कीजिए' या 'किन्हीं दो प्रकार के नगरों के उदाहरण दीजिए'। उदाहरणों को अच्छे से याद कर लेना, जैसे चंडीगढ़ - प्रशासनिक, मुंबई - औद्योगिक, कोलकाता - वाणिज्यिक, कांडला - परिवहन।

एक नज़र में रिवीज़न

› मानव बस्ती: रहने के लिए घरों का समूह, सुरक्षा और आजीविका हेतु।

› ग्रामीण बस्तियों के 4 प्रकार: गुच्छित, अर्ध-गुच्छित, पल्लीकृत, परिक्षिप्त; कारण: भौतिक, सांस्कृतिक, सुरक्षा।

› गुच्छित बस्तियाँ: घर पास-पास, सघन क्षेत्र में, सुरक्षा हेतु, उपजाऊ मैदानों/उत्तर-पूर्व में।

› पल्ली बस्ती: एक नाम, कई अलग-अलग इकाइयाँ (पाना, पाड़ा, ढाँणी), सामाजिक-जातीय विभाजन।

› परिक्षिप्त बस्तियाँ: घर दूर, बिखरे हुए; पहाड़ी, खेत; भू-भाग, भूमि विखंडन।

› भारत में नगरों का विकास: प्राचीन, मध्यकालीन, आधुनिक - अलग विशेषताओं वाले।

› नगरीकरण का स्तर = (नगरीय जनसंख्या / कुल जनसंख्या) * 100; 2011 में 31.16%

› शहरों का मुख्य कार्य आधारित वर्गीकरण: प्रशासनिक, औद्योगिक, परिवहन, धार्मिक आदि।